भारतीय कृषि सांख्यिकी संस्था

(हिन्दी परिशिष्ट)

सुरेश चन्द्र राय

खंड 60 | दिसम्बर 2006 | अंक 3

अनुक्रमणिका

1. भारतीय कृषि शिक्षा तन्त्र के आँकड़ा आधार की रूप रेखा तथा ऑन लाइन प्रबंधन

अनु शर्मा, आर॰ सी॰ गोयल, वी॰ एच॰ गुप्ता तथा आर॰ बी॰ ग्रोवर

2. दीर्घकालिक उर्वरक प्रयोगों के लिए ऑन लाइन आँकड़ा प्रबंधन तन्त्र

कुमार संजीव, आई॰ सी॰ सेठी तथा ए॰ अरोड़ा

भारतीय कृषि शिक्षा तन्त्र के आँकड़ा आधार की रूप रेखा तथा ऑन लाइन प्रबंधन

अनु शर्मा, आर॰ सी॰ गोयल, वी॰ एच॰ गुप्ता तथा
आर॰ बी॰ ग्रोवर
भारतीय कृषि सांख्यिकी अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली

सारांश

भारत में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् तथा प्रदेश कृषि विश्वविद्यालय, कृषि अनुसंधान, शिक्षा तथा प्रसार के मौलिक स्रोत हैं। इसलिए कृषि विकास के क्षेत्र में योजना तथा नीति निर्धारण और कृषि शिक्षा को सुदृढ़ करने के लिए भा॰ कृ॰ अनु॰ प॰ तथा एस॰ ए॰ यू॰ के विभिन्न कार्यों की जानकारी आवश्यक है। इस शोध पत्र का उद्देश्य भारतीय कृषि शिक्षा तन्त्र के आँकड़ा आधार की रूप रेखा तथा ऑन लाइन प्रबंधन का वर्णन एन आई एस ए जी ई एन ई टी (निसेजनेट) द्वारा करना है। कृषि विश्वविद्यालयों के विभिन्न कार्यक्रमों जो शिक्षा, अनुसंधान और प्रसार आदि से संबंधित हैं, उनकी जानकारी के लिए ऑन लाइन आँकड़ा प्रतिरूपक का विकास किया गया है। यह तन्त्र सभी एस॰ ए॰ यू॰ तथा भा॰ कृ॰ अनु॰ प॰ के समतुल्य विश्वविद्यालय वाले संस्थानों से संबंधित कृषि शिक्षा के विषय में सूचनाओं की वर्तमान स्थिति की नवीनतम जानकारी प्रदान करता है।

दीर्घकालिक उर्वरक प्रयोगों के लिए ऑन लाइन आँकड़ा प्रबंधन तन्त्र

कुमार संजीव, आई॰ सी॰ सेठी तथा ए॰ अरोड़ा
भारतीय कृषि सांख्यिकी अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली

सारांश

वर्तमान काल में ऑन लाइन आँकड़ा प्रबंधन के क्षेत्र में चरघातांकी वृद्धि तथा अनेक क्षेत्रों में इसका विविधीकरण हुआ है इसे कभी-कभी सूचना का विस्फोट भी कहते हैं। यह वर्तमान समाज पर संगणक तकनीकियों के प्रभाव के ही कारण संभव हुआ है। संगणक आँकड़ा प्रबंधन तन्त्रों द्वारा सभी प्रकार की संस्थाएँ चाहे छोटी हों या बड़ी हों, सरकारी हों अथवा प्राइवेट हों, राष्ट्रीय हों या बहुराष्ट्रीय हों, प्रभावित होती हैं। ऑन लाइन आँकड़ा प्रबंधन लगभग सभी क्षेत्रों चाहे कृषि प्रबंधन हो, या औद्योगिक प्रबंधन हो अथवा अनुषंगी प्रबंधन हो, में पाया जाता है। दीर्घ कालिक उर्वरक प्रयोगों के लिए ऑन लाइन आँकड़ा प्रबंधन तन्त्र, उपयोग कर्ताओं के लिए मित्र के रूप में लेने की दिशा में एक प्रयास है। ए आई सी आर पी प्रयोग कई वर्षों से किए जा रहे हैं तथा यहाँ पर इस तन्त्र की अत्यन्त आवश्यकता है।

इसकी स्थापत्यकला त्रि-स्तरीय है। उपभोक्ताओं के लिए इन्टरफेस लेयर जो एच टी एम एल और जावा स्क्रिप्ट में है, सरवर साइट एप्लिकेशन लेयर जो जावा सरवर पेजेज़ में है तथा आँकड़ों में परस्पर संबंद्धता है। डेटा बेस लेयर, माइक्रोसॉफ्ट एक्सेस 2000 पर प्रयोग किया जाता है।

दीर्घ कालिक उर्वरक प्रयोगों के लिए ऑन लाइन आँकड़ा प्रबंधन तन्त्र केन्द्रों, प्रयोगों तथा फसलों आदि के विषय में सूचना प्रदान करता है। इसके लिए उपयोग कर्ता संबंधित व्यक्तियों से ई-मेल के द्वारा संबंध स्थापित कर सकते हैं।